अल्लाह पर भरोसा करने वाला यूसुफ

Irshad Ansari

बहुत समय पहले, एक शांत और सुंदर गाँव में यूसुफ नाम का ए नेक और ईमानदार लड़का रहता था। उसे अपने बड़ों से नबियों की वीर और सब्र की कहानियाँ सुनना बहुत पसंद था, जिनसे उसे हमेशा कुछ नया सीखने को मिलता था।

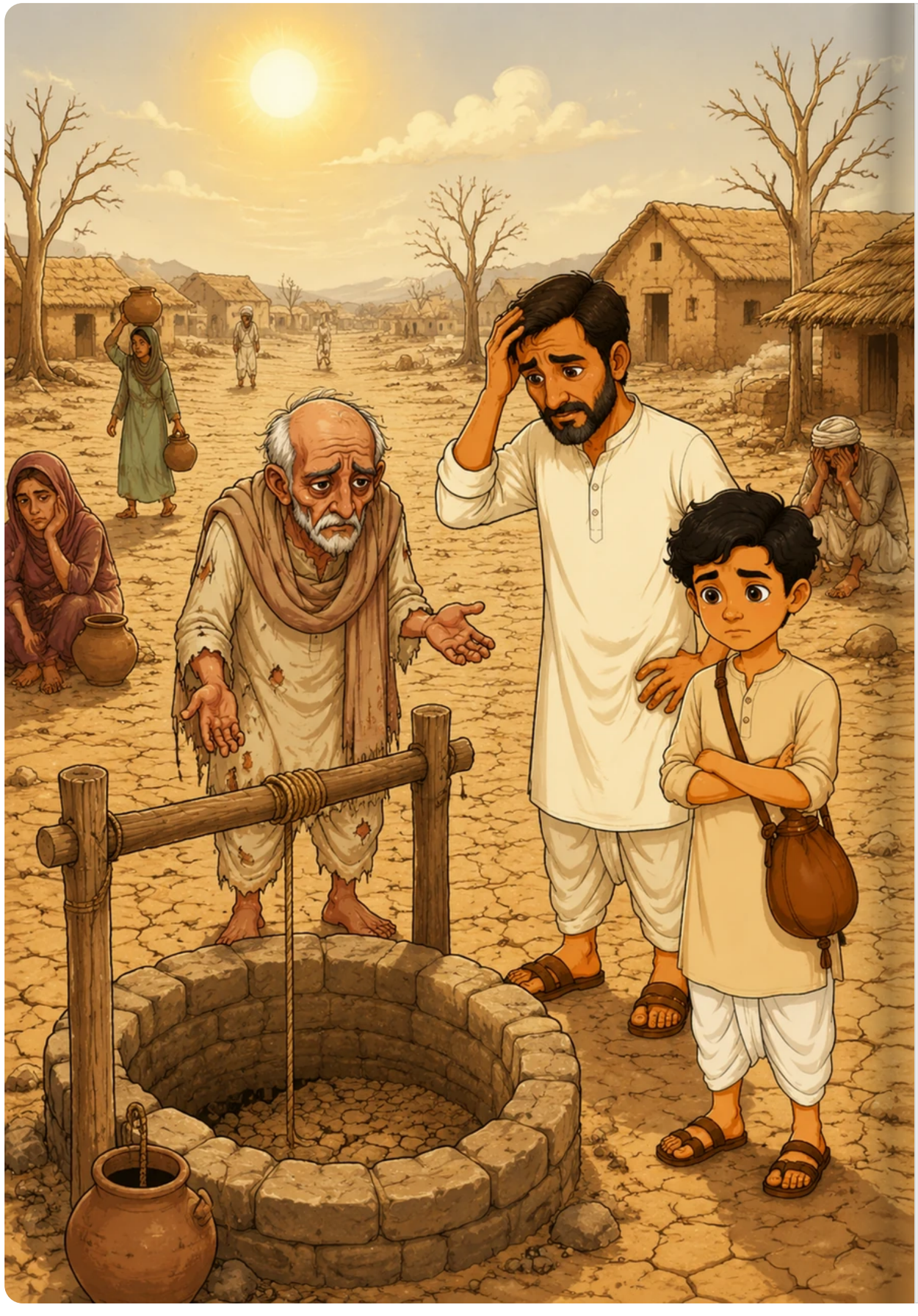

एक साल गाँव में भीषण सूखा पड़ा, जिससे कुएँ पूरी तरह सूख ग
और कभी लहलहाते खेत अब बंजर ज़मीन में बदल गए थे। गाँव के लं
बहुत परेशान थे और हर तरफ पानी की भारी किल्लत हो गई थी।

यूसुफ के पिता ने उसे हिम्मत देते हुए समझाया कि मुश्किल घड़ी हमें कड़ी मेहनत भी करनी चाहिए और अल्लाह से दुआ भी माँगनी चाहिए। उन्होंने उसे सिखाया कि अल्लाह ही सबसे अच्छा रिज़्क़ और सहारा देने वाला है।

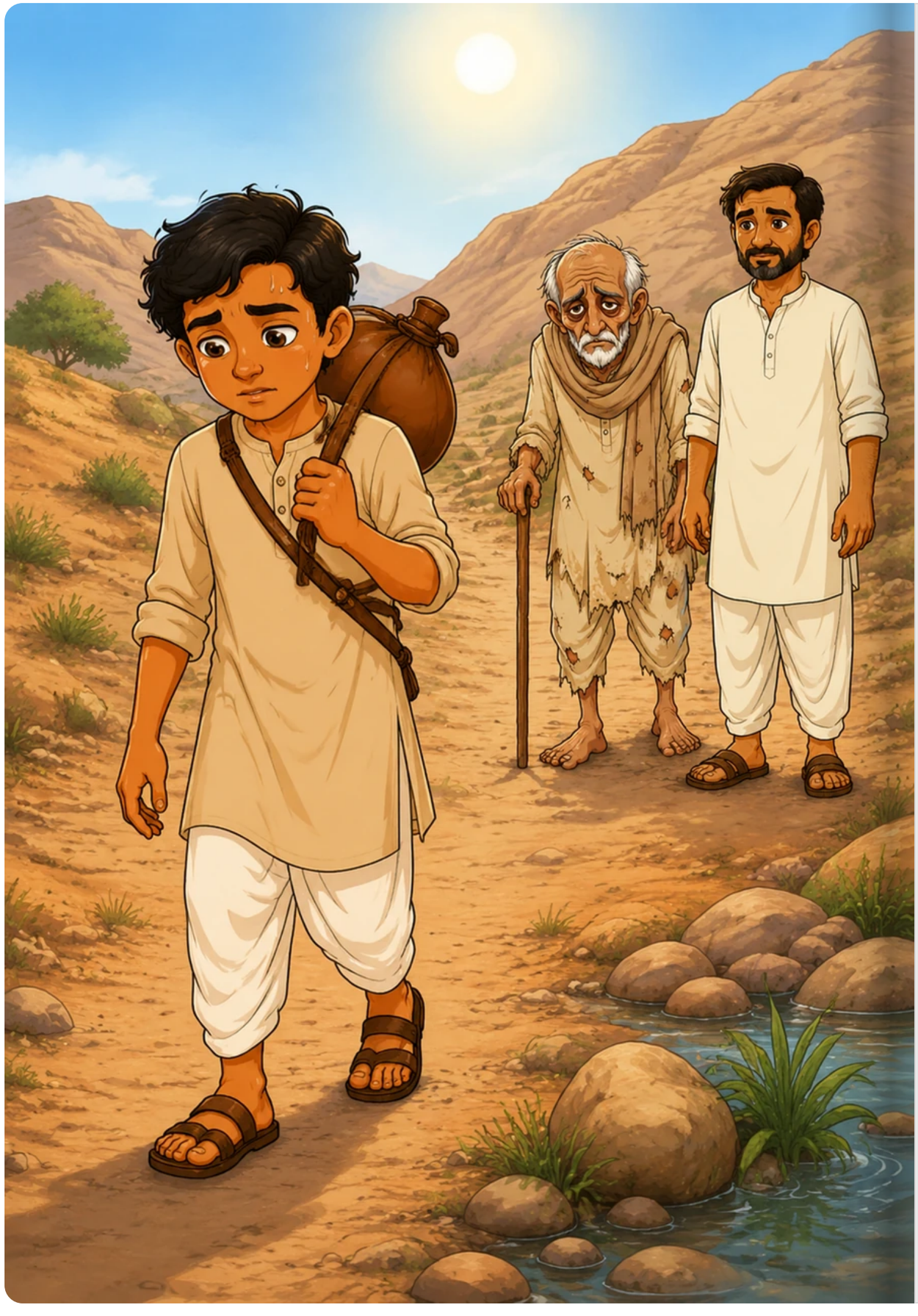

हर रोज़ की तरह, यूसुफ अपने पिता की मदद करने के लिए दूर एक चश्मे से पानी लाने के लिए लंबी यात्रा पर निकला। कड़ी धूप में प की मशक कंधे पर लादकर चलना बहुत थका देने वाला काम था।

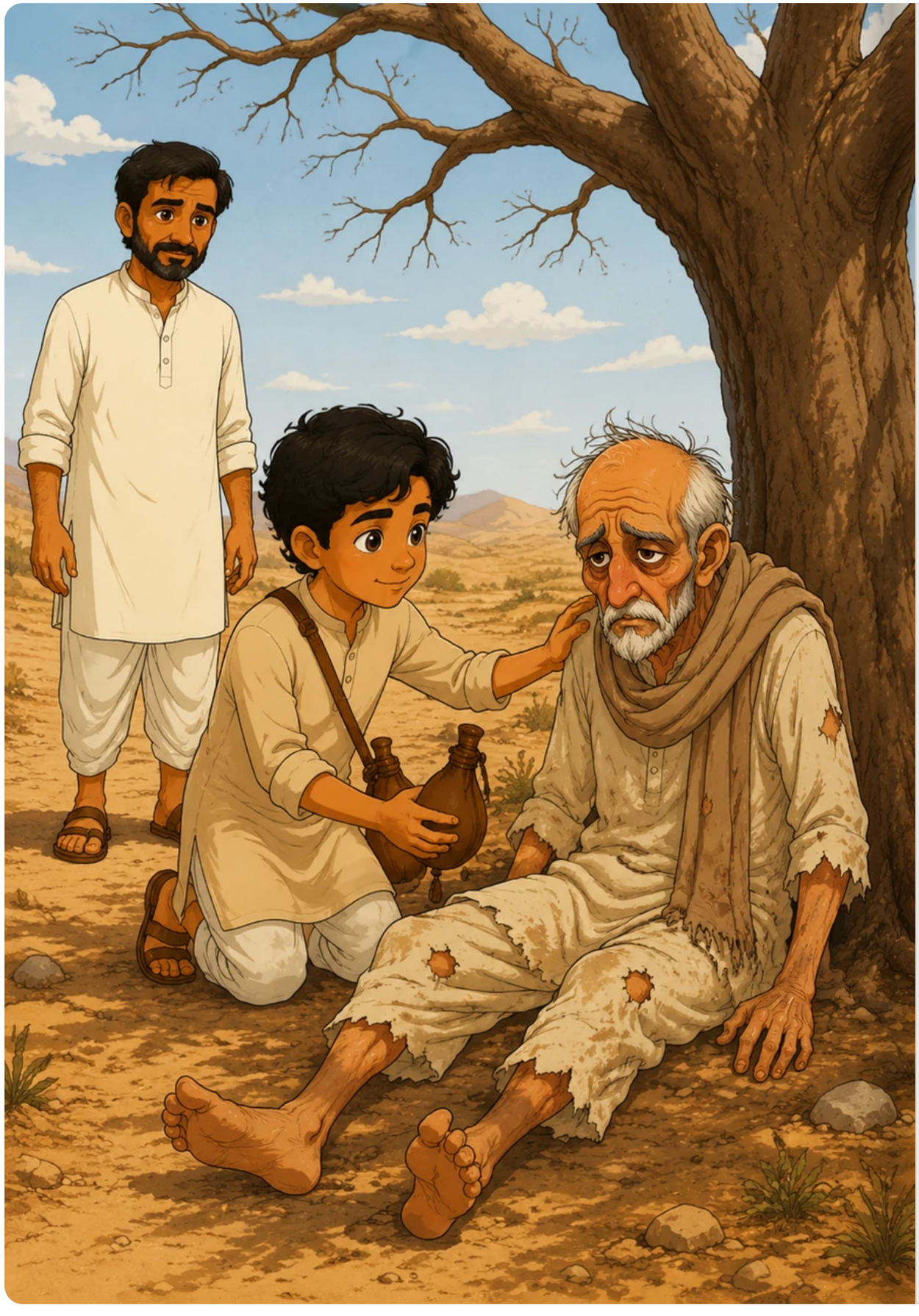

घर लौटते समय, यूसुफ की नज़र एक बूढ़े मुसाफ़िर पर पड़ी जं
एक सूखे पेड़ की छाया में बेहाल बैठा था। वह मुसाफ़िर प्यास और
थकान से इतना कमज़ोर हो गया था कि उसके पास चलने की भी शक्ति
नहीं बची थी।

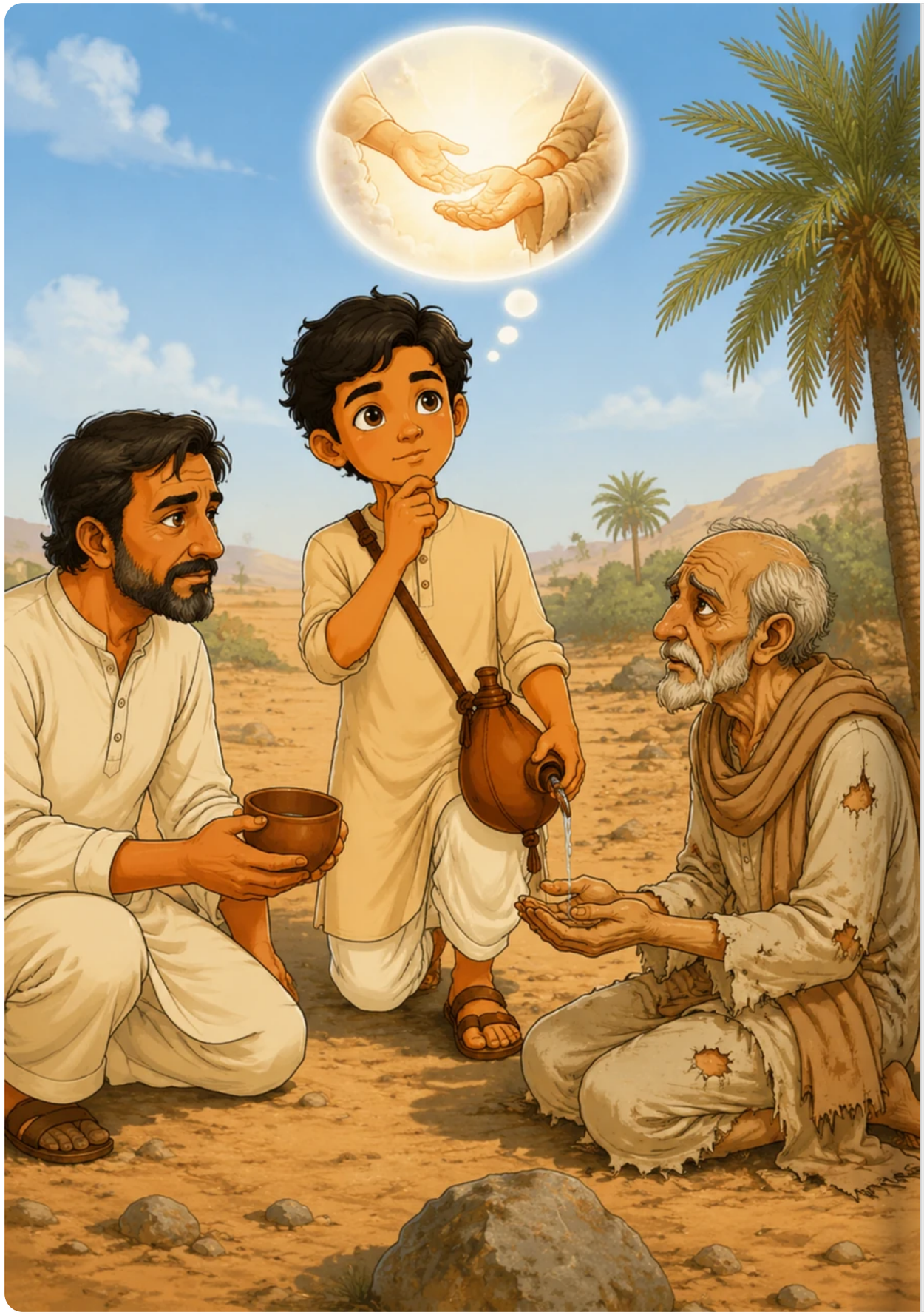

यूसुफ के पास अपनी मशक में बहुत कम पानी बचा था और उ
खुद भी बहुत तेज़ प्यास लगी थी। एक पल के लिए वह सोच में पड़ ग
फिर उसे याद आया कि अल्लाह के लिए की गई भलाई का बदला व
ज़रूर देता है।

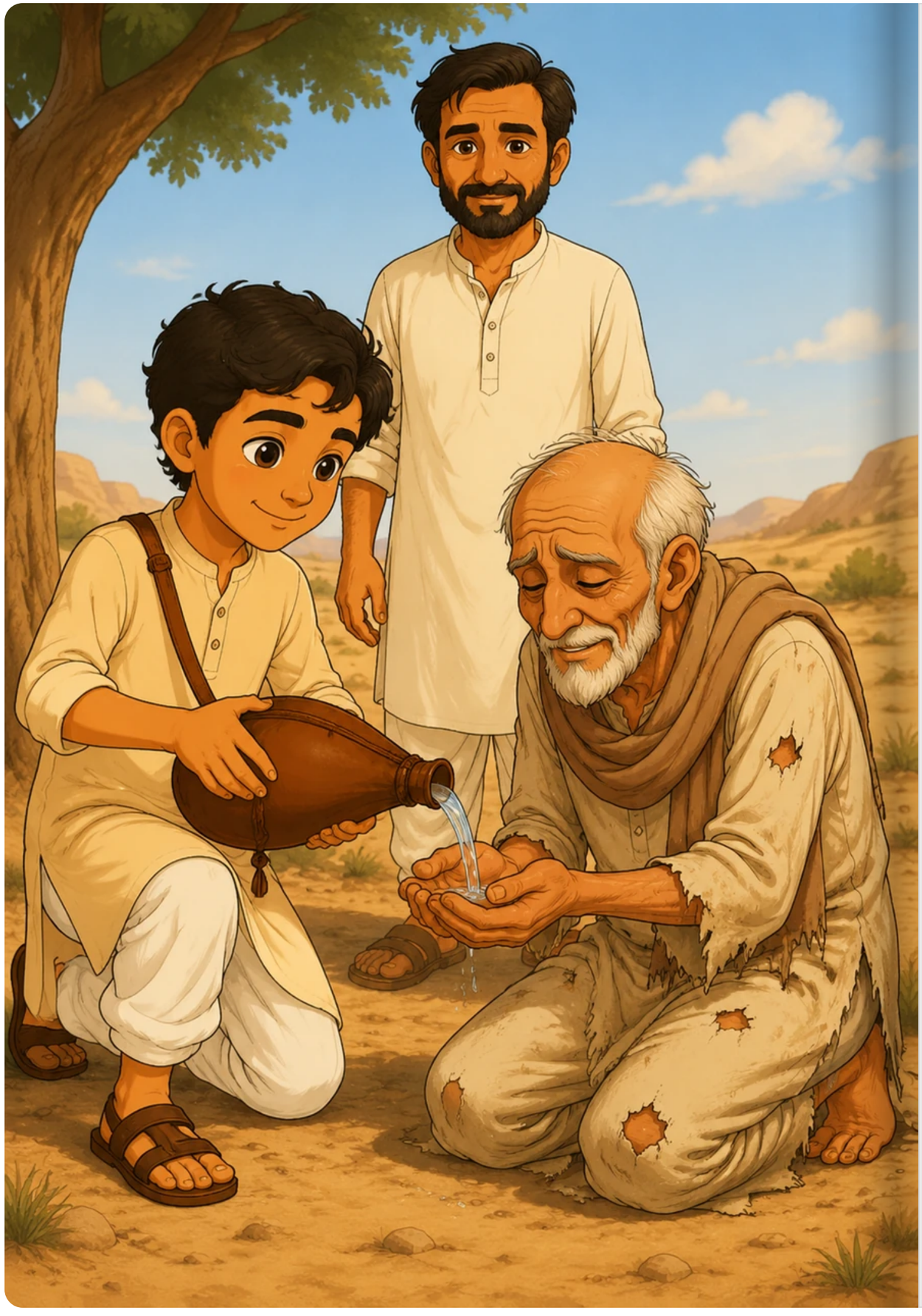

यूसुफ ने एक प्यारी सी मुस्कुराहट के साथ अपनी मशक का सा पानी उस बूढ़े मुसाफ़िर को दे दिया। पानी पीकर मुसाफ़िर को नई जा मिली और उसके चेहरे पर एक सुकून भरी राहत दिखाई देने लगी।

मुसाफ़िर ने हाथ उठाकर यूसुफ को दिल से दुआ दी कि अल्लाह उसे उसके इस भरोसे और कुर्बानी का बेहतरीन बदला दे। यूसुफ खाल मशक लेकर घर पहुँचा, लेकिन उसका मन एक अनूठी शांति से भरा हुआ था।

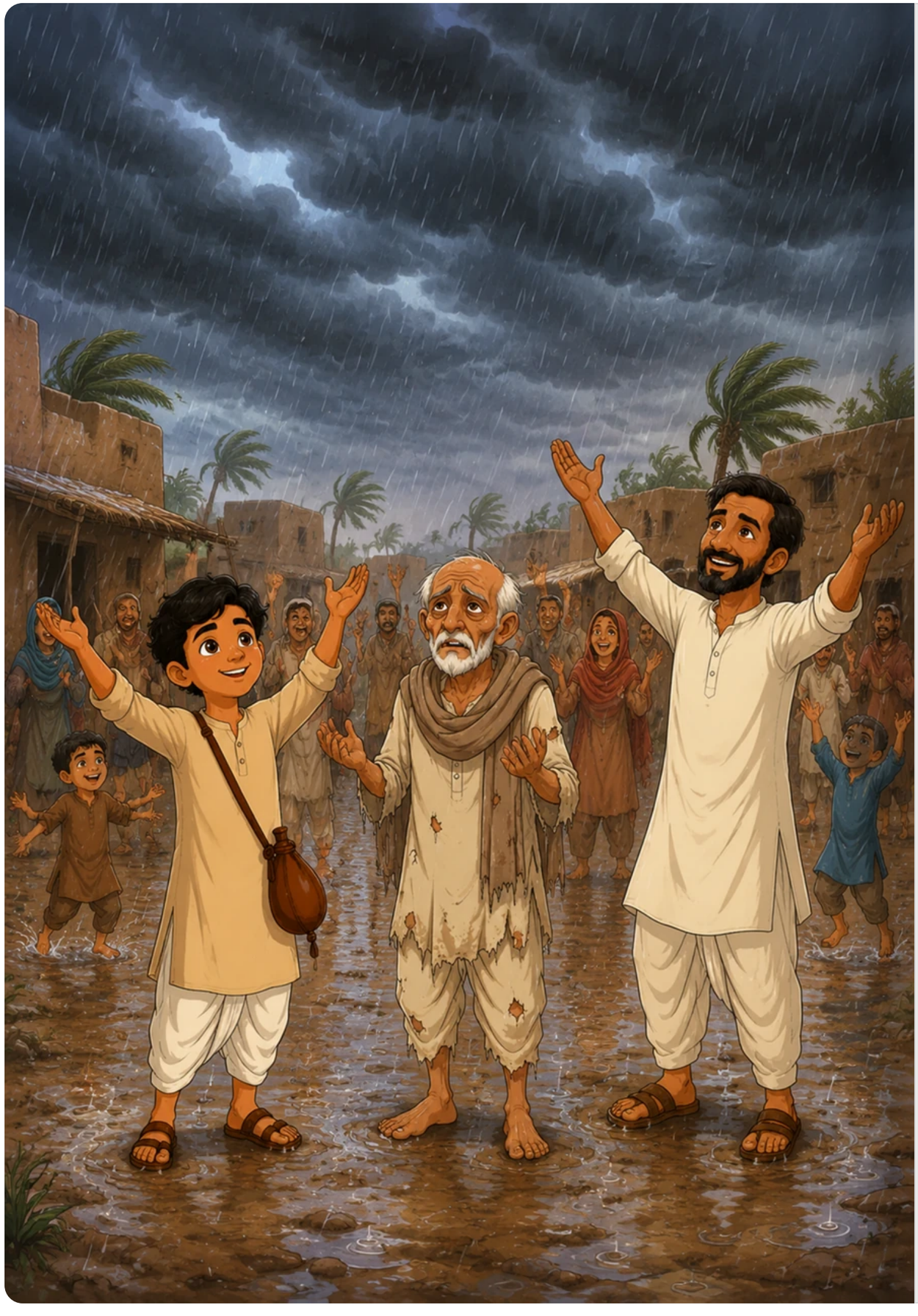

तभी अचानक आसमान में काले घने बादल छा गए और ठंडी हव चलने लगीं। देखते ही देखते मूसलाधार बारिश होने लगी और पूरा गाँ खुशी से झूम उठा, हर तरफ 'अल्हम्दुलिल्लाह' की आवाज़ें गूँजने लगीं।

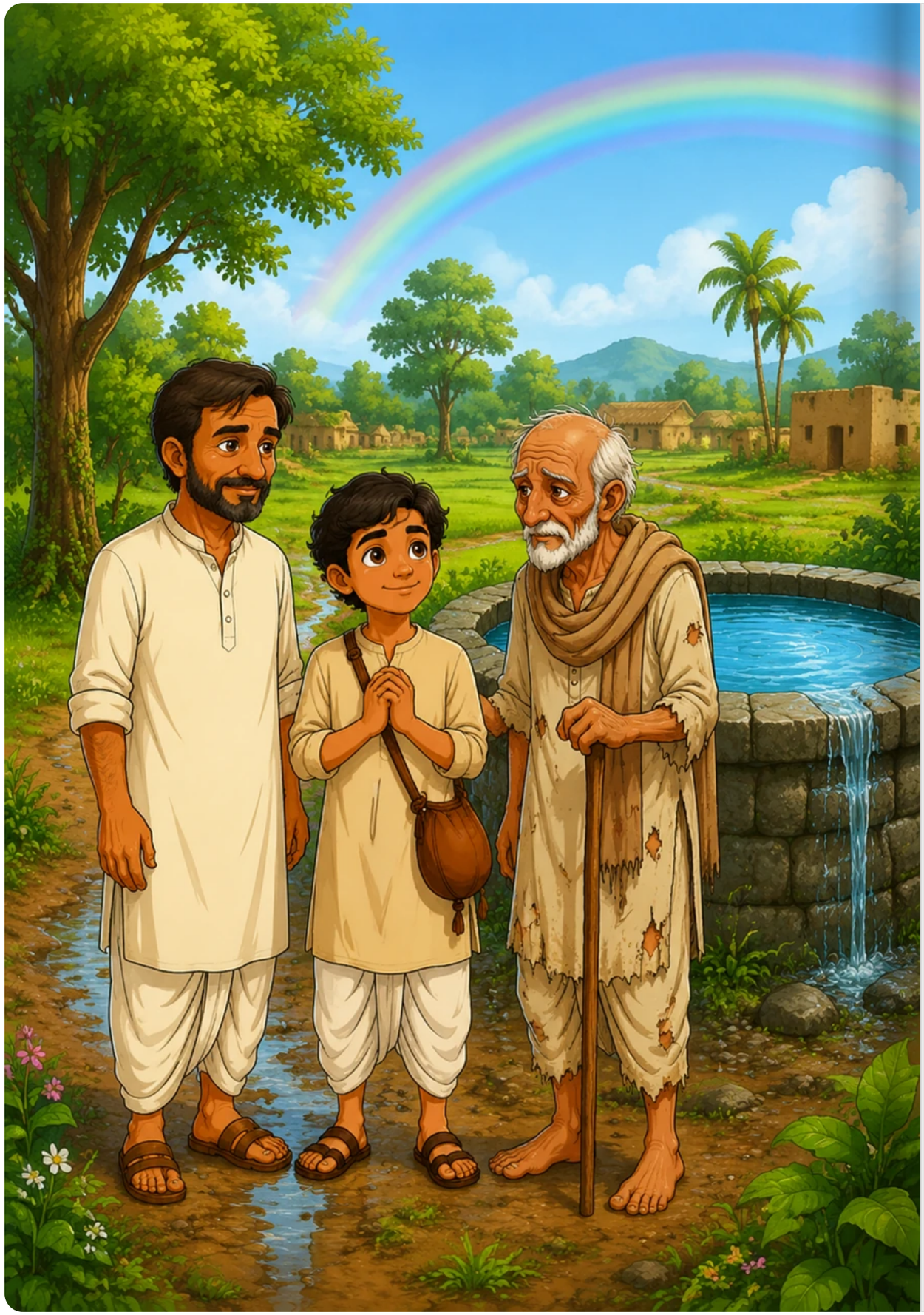

बारिश से सूखी धरती फिर से हरी-भरी हो गई और गाँव के कुएं पानी से लबालब भर गए। यूसुफ ने समझ लिया कि जो लोग अल्लाह भरोसा रखकर दूसरों की मदद करते हैं, अल्लाह उन्हें अपनी असीम बरकतों से नवाज़ता है।